18

कलीसियाः

प्रचारक, उसका जीवन तथा दायित्व

अर्थ

1. ''प्रचारक'' शब्द की परिभाषा दें। संदेश लाने वाला या संदेशवाहक; नये नियम में सुसमाचार सुनाने वाले को प्रचारक कहा गया है।
2. ''इवेंजलिस्ट'' की परिभाषा दें। जो अच्छी बातों का समाचार लाता है (प्रेरितों 21:8)।

उसका जीवन

1. उसे अपने आपको कैसे रखना चाहिए (1 तीमुथियुस 5:22)?
2. उसे क्या करने की कोशिश करनी चाहिए (प्रेरितों 24:16; 1 तीमुथियुस 1:5)?
3. उसे किस बात में नमूना बनना चाहिए (1 तीमुथियुस 4:12)?
4. सब बातों में उसे अपने आपको कैसा दिखाना चाहिए (तीतुस 2:7)?
5. उसके जीवन और उसकी शिक्षा का आपस में मेल कैसे होना चाहिए (1 तीमुथियुस 4:16)?
6. उसके संयम और कठिनाइयों के बारे में क्या कहा जा सकता है (2 तीमुथियुस 4:5)?
7. इस संसार की वस्तुओं से उसका सम्बन्ध कैसा होना चाहिए (2 तीमुथियुस 2:4)?
8. आवश्यकता पड़ने पर उसे क्या सहने के लिए तैयार रहना चाहिए (2 तीमुथियुस 2:3)?
9. यदि आवश्यकता पड़े, तो क्या उसे हाथ से काम करना चाहिए (प्रेरितों 18:1-3)?
   क. उसे इस प्रकार का परिश्रम करना क्यों आवश्यक है (प्रेरितों 20:33-35) ?
   ख. ऐसे परिश्रम से पौलुस को कैसे सहायता मिली (1 कुरिन्थियों 9:19-22) ?
10. सब बातों में उसे क्या दिखाना चाहिए? शिक्षा में क्या दिखाना चाहिए (तीतुस 2:7)?

11. **एक प्रचारक को अपने चरित्र की रक्षा कैसे करनी चाहिए (2 तीमुथियुस 2:22; 1 थिस्सलुनीकियों 5:22)?**

उसकी तैयारी

1. **वह किस बात में लौलीन रहेगा (1 तीमुथियुस 4:13)?**
2. **उसके लिए किताबों का ज़्या लाभ है (2 तीमुथियुस 4:13)?**
3. **उसके लिए अध्ययन करने का ज़्या लाभ है (2 तीमुथियुस 2:15)?**
   क. उसे कैसा काम करने वाला होना चाहिए (2 तीमुथियुस 2:15) ?
   ख. और ज़्या होना आवश्यक है (2 तीमुथियुस 2:15) ?''सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाने'' का ज़्या अर्थ है (2 तीमुथियुस 2:15) ?

उसे ज़्या और कैसे प्रचार करना चाहिए

1. **सबके लिए प्रभु की ज़्या आज्ञा है (मरकुस 16:15)?**
2. **उसे हमेशा ज़्या बोलना चाहिए (तीतुस 2:1, 8)?**
3. **किसे प्रचार नहीं करना चाहिए? ज़्या प्रचार किया जाना चाहिए (2 कुरिन्थियों 4:5)?**
   क. फिलिप्पुस ने सामरियों में ज़्या प्रचार किया था (प्रेरितों 8:5) ?
   ख. उसे किसे महिमा देनी चाहिए (गलतियों 6:14) ? कौन सी बात जानने की ठाननी चाहिए (1 कुरिन्थियों 2:2) ?
4. **उसे प्रत्येक व्यक्ति तथा लोगों तक कैसे जाना चाहिए (1 कुरिन्थियों 2:1)?**
5. **सब प्रचारकों के लिए पौलुस की अंतिम आज्ञा बताएं (2 तीमुथियुस 4:1, 2)।**
6. **उसे दूसरों को व्यवहार की शिक्षा कैसे देनी चाहिए (1 तीतुथियुस 3:15)?**
7. **उसे किस अधिकार से बोलना चाहिए (2 तीमुथियुस 4:2; तीतुस 2:15)?**
8. **झूठे शिक्षकों के प्रति उसका व्यवहार कैसा होना चाहिए (1 तीमुथियुस 1:3, 4)?**
9. **नये मसीहियों के लिए उसे ज़्या करना चाहिए (प्रेरितों 14:22; 15:36, 41)?**
10. **वह कलीसिया की किस प्रकार सहायता कर सकता है (तीतुस 1:5)?**
11. **उसे किसी पाखंडी के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए (तीतुस 3:10, 11)?**

उसका स्थानीय तथा व्यक्तिगत काम

1. **ज़्या कोई प्रचारक किसी कलीसिया के साथ पूर्णकालिक या अंशकालिक काम कर सकता है? पौलुस कुरिन्थुस में कितनी देर तक रहा (प्रेरितों 18:11)? इफिसुस में कितनी देर तक रहा (प्रेरितों 19:8-10)?**
2. **अपने काम में उसे किसके अधीन रहना चाहिए (इब्रानियों 13:7, 17)?**
3. **ज़्या उसे सार्वजनिक तौर पर और घर-घर जाकर सिखाना चाहिए (प्रेरितों 5:42; 20:20)?**

सामान्य रूप में

1. प्रचारक के व्यक्तिगत पहरावे की बात करें तो यह कैसा होना चाहिए? उसके व्यक्तिगत पहरावे या व्यक्तित्व से उसके काम और प्रभाव में कैसे असर पड़ेगा?
2. उसकी आदतें कैसी होनी चाहिए? ज़्या उसे तज़्बाकू अर्थात सिगरेट या तज़्बाकू से बने किसी और पदार्थ का सेवन करना चाहिए?
3. ज़्या उसे किसी स्थानीय ज़्लब, या राजनीतिक पार्टी से जुड़े होना चाहिए?
4. उसे अपने प्रचार तथा व्यक्तिगत काम का संतुलन कैसे बनाना चाहिए (प्रेरितों 5:42)?